ओमशान्ति मीडिया

21st ANNIVERSARY OM SHANTI MEDIA

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -21 अंक - 10 अगस्त-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

'सुखमय जीवन स्वस्थ समाज' विषय पर

समाज सेवा प्रभाग द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

ज्ञानसरोवर। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री विजय कुमार गछादर ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहां आकर मुझे शांति एवं संतोष का अनुभव हो रहा है। यहां के आध्यात्मिक ज्ञान को सुनकर महसूस हो रहा है कि अगर मैं यहां नहीं आया होता तो मेरा जीवन अधूरा रह जाता। वर्तमान समय मानव के आगे बड़ी चुनौती यही है कि टकराव व हिंसा के वातावरण में समाज को शांत व सुखी कैसे बनाया जाये। नेपाल को शांति का देश बनाने में परमात्मा शिव द्वारा चलाये गये इस ओम शांति के अभियान में नेपाल के लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें प्रयत्नशील हैं। हिमालय की ऊँची पहाड़ियों एवं तराई के गांवों में ब्रह्माकुमारी संस्था के सेवाकेन्द्र आध्यात्मिक सेवा का कार्य बखूबी कर रहे हैं। प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि व्यक्ति की जैसी स्थिति होती है वैसा ही वातावरण बन जाता है। हमारे विचार श्रेष्ठ हैं तो हमारा जीवन सदा खुशनुमा रहता है। हम दाता ईश्वर के बच्चे हैं तो हमें सर्व को प्राप्ति करानी है। प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. अमीरचंद ने कहा कि हमें परमात्मा ने सिखाया है कि पहले मन में खुशी होनी चाहिए, तब परिवार और समाज सब खुश हो जाएंगे और स्वस्थ हो जाएंगे। ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी ने कहा कि निर्माणता का भाव ही सेवा में सफलता का आधार है। सुख, शांति व खुशी से सम्पन्न जीवन के लिए आध्यात्मिक ज्ञान आवश्यक है। रोट्री इंटरनेशनल की पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. नलिनी लंगर ने कहा कि जीवन में आध्यात्मिकता के समावेश से ही बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय की कल्याणकारी भावना विकसित होती है। प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. प्रेम,गुलबर्गा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एक परमपिता परमात्मा में ही शक्ति है कि वे निराशा में आशा का संचार कर दें।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी। साथ हैं नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री विजय कुमार गछादर, ब्र.कु. अमीरचंद, ब्र.कु. राज दीदी तथा ब्र.कु. अवतार।

कर्म में अटेंशन, तो टेंशन फ्री

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि जीवन में किसी भी बात पर क्या-क्यों नहीं बल्कि वाह-वाह के गीत गाओ। सच्चाई, प्रेम, खुशी व आनंद ऐसे आध्यात्मिक वायुमंडल में ही मिलेगा। इस बात का अटेंशन रखेंगे तो सभी टेंशन फ्री हो जाएंगे।

धरती को हरा-भरा बनाने का लें संकल्प

संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि 130 करोड़ भाई-बहनें एक-एक पौधा लगाकर उसे पालना देकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लें। भारत में जल समस्या का समाधान करना ही सच्ची समाज सेवा होगी।

ओमशान्ति मीडिया पत्रिका की 21वीं वर्षगांठ पर

विश्व शांति सरोवर में मीडिया महासम्मेलन का भव्य आयोजन

भारत पुनः बनेगा विश्व गुरू

नागपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ के जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर में 'नए भारत की स्थापना में मीडिया का योगदान' विषय के अंतर्गत मीडिया महासम्मेलन का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा ओमशान्ति मीडिया पाक्षिक पत्रिका के 21 वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम हुआ। दिल्ली में साधना पथ मैगज़ीन एवं स्पेक्ट्रम बुक्स के पूर्व सह-सम्पादक ब्र.कु. अनुज ने कहा कि नए भारत के निर्माण में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान है। हम कानून को नहीं बदल सकते, लेकिन उसको नैतिकता से बदल सकते हैं। सिर्फ परमात्मा ही है जो हमें सुरक्षा दे सकता है। विश्व शांति सरोवर की निदेशिका ब्र.कु. रजनी ने ओमशान्ति मीडिया के सफलतम 21 वर्ष पूर्ण होने पर सबको बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस पत्रिका में प्रकाशित आध्यात्मिक बातों से जीवन को सुंदर बनाने की शक्ति मिलती है। उन्होंने आये हुए सभी पत्रकार बंधुओं से भारत को पुनः स्वर्णिम बनाने का आह्वान किया। धनवटे नेशनल कॉलेज में मास कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख डॉ. बबन नाखले ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व ब्र.कु. रक्षा ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के दौरान सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। वेदांती और मधुरा द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। संचालन ब्र.कु. वर्षा व ब्र.कु. अनुज ने किया। ब्र.कु. मनीषा ने मेडिटेशन कराया। ब्र.कु. प्रहलाद,ग्वालियर ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. प्रेमप्रकाश ने आभार व्यक्त किया।

नृत्य द्वारा सभी का स्वागत करते हुए वेदांती और मधुरा। मंचासीन हैं राजयोगी ब्र.कु. करुणा, राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर, राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी तथा मीडिया जगत से जुड़े लोग।

एक ईश्वर, विश्व और परिवार का संदेश

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया विंग के चेयरपर्सन ब्र.कु. करुणा ने कहा कि मीडिया इसी तरह स्वतंत्र हो ऐसी आशा है। यदि भारत को विश्व गुरू बनाना है तो विश्व पटल पर भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत करना होगा। निश्चित ही एक दिन भारत फिर से विश्व गुरू बनेगा। ब्रह्माकुमारीज़ ऐसी संस्था है जो कहती है कि ईश्वर एक ही है। भले ही अलग-अलग सम्बोधन है, पर एक ही ईश्वर है, यह विश्व एक परिवार है, इस संकल्पना के साथ ही ब्रह्माकुमारी संस्था 1936 से कार्य कर रही है।

50 हज़ार समर्पित बहनें कर रही हैं देश विदेश के हर प्रान्त, हर गांव में सेवा

ब्रह्माकुमारीज़ का मानना है कि भारत अविनाशी है, अनादि है। और भारतीय संस्कृति के आधार पर भी यही कहा गया है कि भारत था और रहेगा। ब्र.कु. करुणा ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया धर्म के नाम पर टुकड़ों में बँटी है, पर भारत की जीवन पद्धति को देख करके विदेशी भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईश्वरीय शक्ति से ही विश्व में स्वर्णिम युग लाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े दस लाख परिवार और समर्पित 50 हज़ार बहनें इसी विचार को लेकर सारे विश्व में अपनी सेवायें दे रहे हैं।

सभी शांति की तलाश में...

ओमशान्ति मीडिया पत्रिका के सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर ने कहा कि पत्रकारिता और आध्यात्मिकता दोनों अलग नहीं हैं। आज हमारे पास दुनिया की हर चीज़ है, लेकिन मनुष्य दो काम नहीं कर पाया... मन की वृत्ति को कैसे बदलें और मन के वैर के भाव को बदलकर कैसे शुद्ध बना दें। अगर हमारे मन में विश्व कल्याण की भावना होगी तो वह हमारी कलम में भी विश्व कल्याण की शक्ति भर देगी। उन्होंने आगे कहा कि जीवन को अनेक समस्याओं व कठिनाइयों से मुक्ति दिलाने में राजयोग मेडिटेशन सहायक होता है।

राजयोग, वैचारिक परिवर्तन का कारगर कदम

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. हरीश, ब्र.कु. उर्मिल, सीताराम मीणा तथा अतिथिगण।

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा 'बेहतर प्रशासन के लिए वैचारिक प्रक्रिया का नवीनीकरण' विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. आशा ने कहा कि दबाव से कोई कार्य सफल नहीं होता। बल्कि अगर आप किसी को सशक्त कर दें तो वह अपना कार्य सफलता पूर्वक करता रहता है। सेवा भाव से हम सभी का जीवन बदल सकते हैं। राजयोग का अभ्यास वैचारिक बदलाव लाने में सफल है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि स्वयं को प्रशासक के बजाय सेवक मानकर कार्य सम्पादन करेंगे तो काफी सुन्दर परिणाम प्राप्त होंगे। अगर मन में सभी को कुछ न कुछ देने की भावना पैदा की जाए तो प्रशासन राम राज्य समान हो जायेगा। सीताराम मीणा,पूर्व आई.ए.एस. ने कहा कि हम सभी एक ही परमात्मा की संतान हैं। इस विचार को व्यवहारिक बनाना होगा। यही है वैचारिक बदलाव। तब प्रशासन उत्तम बन जाता है। ओडिशा लोकायुक्त सदस्य डॉ. देवव्रत स्वाईं ने कहा कि विज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिकता को भी जीवन में अपनायेंगे तभी समरसता और समान भाव को प्रखर बना सकते हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय में संयुक्त सचिव रोशन जग्गी ने कहा कि प्रशासक आम जनता से जुड़े होते हैं। अगर उनके मन में जनता के कल्याण का भाव रहता है तो प्रशासन सुन्दर बनता है। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. अवधेश बहन ने योगाभ्यास करवाया। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। गोधरा प्रशासक सेवा प्रभाग के सचिव ब्र.कु. शैलेश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ब्र.कु. उर्मिल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

बेहतर प्रशासन बनाने हेतु जुटे देश तथा नेपाल के सैकड़ों प्रतिनिधि

- **राजयोग का अभ्यास वैचारिक बदलाव लाने में सफल**
- **देने की भावना से प्रशासन बने राम राज्य**
- **विज्ञान और आध्यात्मिकता के संतुलन से होगा बेहतर प्रशासन**